हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 27 जुलाई, 2025

11 महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हरियाली...

11 शक्ति नाटक क्लब रतिया द्वारा मां नैना देवी मेले के...

खबर संक्षेप

भंडारे के लिए जा रहा ट्रक पलटा, एक की मौत

ओढ़ां। ओढ़ां से माता ज्वाला जी भंडारे के लिए जा रहे ट्रक के पलटने से एक ओढा.निवासी एक श्रद्धालु की मौत हो गई। भगवती सेवा समिति ओढ़ा की ओर से 29वां वार्षिक लंगर भंडारा लगाने के लिए गीता भवन ज्वाला जी के लिए शुक्रवार को सुबह 10 बजे एक ट्रक में राशन का सामान लाद कर 25 श्रद्धालु रवाना हुए। रात को माता चिंतपूर्णी में माथा टेकने के बाद सुबह ज्वाला जी के लिए चल पड़े और 10 किलोमीटर की दूरी पर एक खतरनाक मोड़ पर ब्रेक फेल होने के कारण गहरी ढलान पर श्रद्धालुओं से भरा ट्रक पलट गया। इसमें एक श्रद्धालु बलदेव सिंह की मौत हो गई जबकि कुछ भक्तजन घायल हो गए। ट्रक में सवार श्रद्धालुओं ने बताया कि बलदेव सिंह ने घबराहट में बाहर छलांग लगा दी।

हेरोइन बरामदगी मामले में मुख्य सप्लायर दबोचा

फतेहाबाद। नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत सदर रतिया पुलिस ने गांव अलीका में 18.44 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करनैल सिंह उर्फ किन्नू निवासी किलचियां, जिला फिरोजपुर, पंजाब के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में एक अन्य आरोपी को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम, उपनिरीक्षक जग्गा सिंह के नेतृत्व में गांव कलोठा क्षेत्र में अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। इस दौरान टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि गुरमीत सिंह नामक व्यक्ति गांव अलीका स्थित अपनी दुकान के बाहर गली में हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव अलीका में दबिश दी और दुकान के बाहर सीढ़ियों पर बैठे एक संदिग्ध युवक को काबू किया।

दो नशा तस्करों को हेरोइन सहित किया काबू

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फतेहाबाद यूनिट ने रतिया क्षेत्र में दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9.43 ग्राम हेरोइन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। एनसीबी यूनिट इंचार्ज निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व में तथा उप पुलिस अधीक्षक जगजीत सिंह के निर्देशन में की गई। सब-इंस्पेक्टर सूर्यकांत को हैफड गोदाम, रतिया के पास गुप्त सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल पर केटी कॉलेज रोड के पास, सुखचैन नहर पर नशीले पदार्थ के साथ मौजूद हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनी उर्फ रघु पुत्र बुटा सिंह एवं नितिश पुत्र नीरु के रूप में हुई है जोकि दोनों रतिया के ही रहने वाले हैं। थाना शहर रतिया में आरोपियों के खिलाफ एन.डी.पी.एस. अधिनियम के तहत मध्यम मात्रा में नशीला पदार्थ रखने का मामला दर्ज किया गया है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया काबू

भट्टूकलां। मारपीट करने के मामले में कार्रवाई करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान विनोद उर्फ मोदी पुत्र इंदरपाल निवासी बनमनदौरी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने सुमित कुमार पुत्र श्योबक्स निवासी मेहूवाला की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शिवरात्रि का प्रसाद लेने मंदिर जा रहा था।

50 से 100 किलोमीटर दूरी से आए परीक्षार्थी गर्मी से दिखे परेशान

पहले दिन 18027 परीक्षार्थियों ने दी सीईटी परीक्षा, 1091 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

भारी उमस और गर्मी में तर-बतर लोग परीक्षा केन्द्रों के बाहर कतारबद्ध बेहाल नजर आए

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद के इतिहास में पहली बार इतनी भारी संख्या में युवाओं ने सीईटी की परीक्षा दी। शनिवार को परीक्षा के पहले सत्र में प्रातः 10 बजे से 11:45 व दूसरे सत्र में 3.15 बजे से 5 बजे तक परीक्षा हुई। परीक्षा के दोनों सत्रों में कुल 19118 परीक्षार्थियों में से 18027 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जबकि 1091 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सीईटी परीक्षा की सुबहकालीन सत्र में कुल 9559 परीक्षार्थियों में से 9005 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 554 परीक्षार्थी अनुपस्थिति रहे जबकि सायंकालीन सत्र में कुल 9559 परीक्षार्थियों में से 9022 परीक्षार्थियों ने यह परीक्षा दी जबकि 537 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीईटी परीक्षा शनिवार को बड़े ही बेहतर ढंग से सम्पन्न हुई। हालांकि शनिवार को भारी उमस और गर्मी में तर-बतर लोग परीक्षा केन्द्रों के बाहर कतारबद्ध बेहाल नजर आए। आज मौसम में 63 फीसदी नमी दर्ज की गई जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया। बीती रात न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पहले शिफ्ट की परीक्षा को लेकर सुबह से ही परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों का पहुंचना शुरू हो गया था। इस शिफ्ट के लिए एन्ट्री प्रातः 7:30 बजे शुरू हुई जबकि दूसरे सत्र के लिए दोपहर एक बजे से एन्ट्री शुरू की गई। एन्ट्री से पहले गेट पर ही परीक्षार्थियों की गहनता से तलाशी ली गई। यहां बॉयोमेट्रिक हाजिरी भी दर्ज की गई। खास बात यह रही कि शनिवार को परीक्षा के दौरान जिला पुलिस काफी हरकत में रही। कहीं मददगारों की मदद करना तो कहीं लंगर चलाना, इस तरह के सामाजिक कार्यों द्वारा पुलिस द्वारा पूरा दिन किए जाते रहे। सुरक्षा की दृष्टि से सभी परीक्षा केन्द्रों के बाहर पुलिस की टीमों को तैनात किया गया है वहीं फतेहाबाद में परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए शटल बस सर्विस की भी व्यवस्था की गई।

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते डीसी और एसपी।

सिरसा। फतेहाबाद से आए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर ले जाती बसें। फोटो : हरिभूमि

आज भी 19 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

जिला में 27 जुलाई को भी 31 स्थानों पर बनाए गए 38 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा होगी। इस दिन प्रत्येक शिफ्ट में 9559 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि सुबहकालीन सत्र की परीक्षा सुबह 10 बजे से 11.45 बजे आयोजित होगी। इसी प्रकार से सायंकालीन सत्र की परीक्षा 3.15 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के संचालन में किसी प्रकार की कमी ना रहे। सभी अधिकारी व कर्मचारी आपसी तालमेल के साथ परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करवाना सुनिश्चित करें।

महिला परिक्षार्थी हादसे में घायल

सीईटी परीक्षा में शामिल होने के लिए शनिवार को फतेहाबाद आ रही एक महिला परीक्षार्थी का रास्ते में अचानक सडक हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फतेहाबाद पुलिस की ईआरवी-217 यूनिट ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया। महिला परीक्षार्थी को प्राथमिक उपचार दिलवाने के बाद, पुलिस टीम ने समय की गंभीरता को समझते हुए बिना किसी देरी के उसे परीक्षा केंद्र बाल वाटिका स्कूल, फतेहाबाद तक पहुंचाया, जिससे वह समय पर परीक्षा में बैठ सकी। ईआरवी टीम की इस मानवीय पहल ने न सिर्फ एक छात्रा की परीक्षा बचाई, बल्कि पुलिस की संवेदनशीलता, तत्परता और जनसेवा के प्रति समर्पण को भी दर्शाया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने इस सराहनीय कार्य के लिए ईआरवी-217 टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि फतेहाबाद पुलिस न केवल कानून व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि हर आपात स्थिति में आमजन की सहायता और मानवता के मूल्यों को प्राथमिकता देती है।

परीक्षा केन्द्र के बाहर रोने लगा

सीईटी परीक्षा के दौरान महिला पुलिस कर्मचारी एचसी कृष्णा रानी ने मानवता और तत्परता का एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। दरअसल अपनी आईडी (पहचान पत्र) बस में ही भूल गया। जब वह परीक्षा केंद्र पहुंचा और जेब में आईडी तलाश की, तो वह नहीं मिली। निराश होकर रोने लगा। केंद्र पर तैनात महिला पुलिस कर्मचारी ने सहानुभूतिपूर्वक उससे बातचीत की। मनजीत ने अपनी समस्या बताई तो महिला पुलिसकर्मी ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने निजी मोबाइल फोन से मनजीत के परिवार से उसका आधार कार्ड मंगवाया, फिर उसे अपने वाहन में लेकर बस अड्डा चौकी पहुंची। वहां से उसकी आईडी की प्रति निकलवाई और उसे तुरंत परीक्षा केंद्र वापस लाकर परीक्षा में शामिल करवाया।

पुलिस की तत्परता से समय पर पहुंचे परीक्षा केंद्र

सीईटी परीक्षा में शामिल होने जा रहे लगभग 40 परीक्षार्थियों को उस समय राहत मिली जब फतेहाबाद पुलिस की ईआरवी-225 टीम ने समय पर पहुंचकर उनकी मदद की। अभ्यर्थी सिरसा स्थित परीक्षा केंद्रों पर जा रहे थे, लेकिन नेशनल हाइवे पर स्थित गांव दरियापुर के बस अड्डे पर हरियाणा रोडवेज की बसें पुल के ऊपर से गुजरने के कारण बस अड्डे तक नहीं पहुंच रही थीं, जिससे परीक्षार्थियों को समय पर पहुंचने में कठिनाई हो रही थी। एक परीक्षार्थी बबरीक पुत्र रामस्वरूप निवासी हरिपुरा ने स्थिति को देखते हुए तुरंत डायल 112 पर कॉल कर सहायता मांगी। सूचना मिलते ही ईआरवी-225 टीम बिना विलंब के दरियापुर बस अड्डे पर पहुंची और हरियाणा रोडवेज की एक बस को रोका तथा उसे नीचे बस अड्डे तक लाया गया।

भटके परीक्षार्थी को पुलिस ने समय पर केंद्र पहुंचाया

सीईटी परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशानुसार फतेहाबाद पुलिस पूर्ण रूप से अलर्ट मोड पर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा परीक्षा केंद्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, नकल या अनुशासनहीनता की कोई संभावना न रहे। पुलिस टीमें परीक्षा केंद्रों के आसपास नियमित पेट्रोलिंग कर रही हैं एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जा रही है। परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की भी हरसंभव सहायता की जा रही है।एक परीक्षार्थी जो ऐलनाबाद से परीक्षा देने आ रहा था, गलती से फतेहाबाद की बजाय दरियापुर उतर गया। घबराहट में वह पैदल ही तेजी से चलने लगा ताकि समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच सके। इसी दौरान, सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार, जो पुलिस अधीक्षक कार्यालय, फतेहाबाद में नियुक्त हैं और रात्रिकालीन परीक्षा ड्यूटी के चलते गश्त पर थे, ने युवक को देखा। उन्हें संदेह हुआ, तो उन्होंने युवक से बात की। युवक ने बताया कि वह गलती से दरियापुर उतर गया और अब सीईटी की परीक्षा देने फतेहाबाद जा रहा है। सहायक उपनिरीक्ष संदीप कुमार ने तुरंत मानवता का परिचय देते हुए युवक को अपनी गाड़ी में बैठाया और उसे सेठ बद्री प्रसाद डीएवी स्कूल, फतेहाबाद, उसके परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचा दिया। उनका यह कार्य सराहनीय एवं प्रेरणादायक है।

पांच दिन पहले मां बनी प्रियंका

हिसार की रहने वाली प्रियंका सीईटी की परीक्षा देने फतेहाबाद पहुंची। प्रियंका हाल ही में मां बनी हैं, वह आज सीईटी परीक्षा देने एमएम कॉलेज फतेहाबाद पहुंचीं। पांच दिन पहले ही प्रियंका ने पुत्र को जन्म दिया है। परीक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देखकर हर कोई हैरान रह गया। प्रियंका अपने पति और नवजात बच्चे के साथ सेंटर पहुंचीं, जहां पुलिस कर्मियों ने मानवीयता का परिचय देते हुए उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाकर परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया।

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्र के बाहर लंगर सेवा करते पुलिस कर्मचारी।

कड़े सुरक्षा-बंदोबस्त के बीच संपन्न हुई सीईटी परीक्षा

- जिले में नौ कलस्टर से हिसार के लिए बसें हुई रवाना, पुलिस लाइन सिरसा से जारी रही शटल बस सर्विस

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 और 27 जुलाई को ग्रुप-सी पदों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी)-2025 के पहले दिन शनिवार को जिले के 64 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न हुई। सिरसा से हिसार जाने वाले परीक्षार्थियों के लिए नौ कलस्टर अनुसार सुबह और शाम के सत्र अनुसार अलग-अलग समय पर बसें रवाना हुईं और परीक्षा उपरांत वापस गंतव्य तक पहुंचाया। वहीं फतेहाबाद से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए पुलिस लाइन सिरसा से शटल बस सर्विस प्रदान की गई। सीईटी परीक्षार्थियों ने सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

डीसी-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया दौरा

उपायुक्त मनदीप कौर और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिले के विभिन्न सीईटी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिजली, चिकित्सा सहायता, ट्रैफिक कंट्रोल और अन्य जरूरी सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षा के दौरान शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

रोडवेज कर्मियों ने निभाई अच्छी भूमिका

हजारों प्रतिभागियों और अभिभावकों के सिरसा आने और दूसरी जगहों पर जाने को लेकर एक समय में भारी दबाव की स्थिति रही। लेकिन संभवतः पहली बार हरियाणा रोडवेज और हरियाणा पुलिस के जवानों ने अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। पुलिस के जवान और रोडवेज के कर्मचारियों का मृदु व्यवहार रहा। मित्रवत सहयोग किया गया। लोगों की समस्या सुनकर उसके निदान किया गया। रोडवेज कर्मियों द्वारा बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया गया, जिसकी वजह से इतना बड़ा आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। वहीं पुलिस प्रशासन भी इस आयोजन के सफलता के लिए बधाई की पात्र है। कानून व्यवस्था के साथ-साथ ट्रेफिक व्यवस्था को बनाए रखने में सिरसा पुलिस का रोल शानदार रहा।

पुलिस कर्मियों की भूमिका सराहनीय

डबवाली। सीईटी परीक्षा के दौरान एक मार्मिक दृश्य सामने आया, जब एक महिला अभ्यर्थी अपने 11 महीने के शिशु को परीक्षा केंद्र पर लेकर आईं। परीक्षा के दौरान शिशु रोने लगा, जिसे देखकर मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने मानवीय संवेदना का परिचय दिया। पुलिस द्वारा महिला अभ्यर्थी को संक्षिप्त रूप से बुलाकर शिशु को स्तनपान करवाने में सहायता की गई और उसके बाद पुलिस कर्मियों ने बच्चे को दुलार कर, खेलकर उसे शांत किया, जिससे अभ्यर्थी अपनी परीक्षा पूरी एकाग्रता से दे सकीं।

समाजसेवी संस्थाओं ने निभाई जिम्मेदारी

सीईटी परीक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा तो अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन किया ही गया। इस कार्य में नगर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व अन्य संस्थाओं द्वारा अपने-अपने स्तर पर सहयोग किया गया। अनेक संस्थाओं की ओर से हेल्प डेस्क लगाकर लोगों का मार्गदर्शन किया गया। 'समर्पण वेल्फेयर ट्रस्ट' के स्वयंसेवकों ने सुबह-सवेरे ही मोर्चा संभाल लिया और विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बारे में जानकारी प्रदान की।

राज्यसभा सांसद ने सीएम का आभार जताया

- अमृत योजना-2 के अंतर्गत जाखल नगर पालिका क्षेत्र के नागरिकों को जल्द ही स्वच्छ पेयजल मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अमृत योजना-2 के अंतर्गत जाखल नगर पालिका क्षेत्र के नागरिकों को जल्द ही स्वच्छ पेयजल मिलेगा। इसके लिए सरकार द्वारा यहां 4 ट्यूबवेल लगाएं जाएंगे वहीं लगभग 30 किलोमीटर लंबी 6 इंची एवं 4 इंची की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस कार्य का टेंडर भी जारी हो गया है और जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह परियोजना क्षेत्र की पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम है। बराला ने इस महत्वपूर्ण सुविधा मंजूर करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।पेयजल की समस्या को देखते हुए अमृत-2 योजना के अंतर्गत यह परियोजना स्वीकृत की गई है।

विकास ही प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि इस योजना पर जल्दी काम शुरू होगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इस योजना से जाखल शहर, कॉलोनियों में लगातार जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याएं उनकी प्राथमिकता हैं और जब भी आसपास के किसी क्षेत्र या नागरिकों में कोई आवश्यक जनसमस्या आती है, तो वे संबंधित विभागों व मुख्यमंत्री से सीधा संवाद कर समाधान सुनिश्चित करवाते हैं।

वर्तमान से भविष्य चलता है : जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

रतिया। जैन स्थानक में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

भूतकाल के परिणाम से वर्तमान बनता है और वर्तमान से भविष्य चलता है। वर्तमान में सही जीने वाला इंसान भूत और भविष्य दोनों को अपने अधीन करता है। यह प्रवचन जैन महासाध्वी सुनंदा महाराज, सुसाध्वी सम्यक श्रीजी महाराज एवं सिद्धायिका महाराज ने जैन स्थानक में आयोजित चातुर्मास कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को कहे। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में दो प्रकार के पदार्थ हैं। एक दृष्ट और दूसरा अदृष्ट। हम बहुधा दृष्ट सत्य के आधार पर ही निर्णय लेते हैं। उस दृष्टि की पृष्ठभूमि में छिपे अदृश्य को देखने का प्रयास नहीं करते। फलतः सफलता हम से दूर हो जाती है। आज मुझे कोई कष्ट पहुंचा रहा है। मुझे कोई सता रहा है। इसे तो व्यक्ति जानता है। पर मैंने भी इसे सताया है, कष्ट पहुंचाया है, इसे वह भूल जाता है। जैन साध्वियों ने कहा कि अतीत,वर्तमान और भविष्य में दोनों का कालखंड परस्पर आपस में जुड़े हुए हैं। हमारा अतीत कैसा है।

महिला ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

- मृतका ने अपने पीछे दो बच्चे छोड़े हैं, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के अशोक नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का समाचार है। दो बच्चों की मां ने घर की छत पर बने चौबारे में पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय महिला का पति काम पर गया हुआ था। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय महिला बसमिता अपने पति सुखबीर सिंह और दोनों बेटियों के साथ अशोक नगर स्थित ससुराल के घर में ही ऊपर बने चौबारे में रहती थी। सुखबीर रंग-रोगन का काम करता है और रोजाना की तरह शनिवार को भी वह काम पर गया हुआ था। दोपहर करीब एक बजे जब वह खाना खाने घर लौटा तो ऊपर कमरे में गया, जहां उसने देखा कि पत्नी ने फंदा लगाया हुआ था। पत्नी को फांसी पर लटके देखकर सुखबीर ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर परिवार के अन्य लोग और आसपास के लोग इकत्र हो गए।

उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए 1 से 13 अगस्त तक होगा पीईटी एंड पीएमटी

सेना में चयनित उम्मीदवारों की सूची हुई जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सेना भर्ती कार्यालय, हिसार ने अग्निवीर जनरल ड्यूटी, क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल, टेक्निकल, ट्रेड्समैन और स्थायी श्रेणी सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट/नर्सिंग असिस्टेंट (वेटनरी), सेपोय फार्मा, रिलीजियस टीचर जूनियर कमीशन ऑफिसर, जूनियर कमीशन ऑफिसर कैटरिंग, हवलदार सर्वेयर ऑटोमेटेड कार्टोग्राफर, हवलदार एजुकेशन के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 2025-26 में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा का आयोजन 1 अगस्त से 13 अगस्त के बीच किया जाएगा। यह परीक्षा सेना भर्ती कार्यालय हिसार में आयोजित होगी। अग्निवीर श्रेणी के लिए हरियाणा राज्य के हिसार, जींद, सिरसा और फतेहाबाद तथा स्थायी श्रेणी के लिए संपूर्ण हरियाणा राज्य गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात और पलवल जिलों को छोडक़र), केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के सभी उम्मीदवारों की रैली भर्ती कार्यालय हिसार में आयोजित की जाएगी।

उम्मीदवार वेबसाइट पर देखें अपना परिणाम

सीईई 2025-26 में भाग लेने वाले चयनित उम्मीदवारों की सूची 26 जुलाई को भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है। उम्मीदवार अपना परिणाम इसी वेबसाइट पर जांच सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर एडमिट कार्ड भेजे जा रहे हैं। शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा में सभी सीईई उत्तीर्ण उम्मीदवार भाग लेंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर उपलब्ध अधिसूचना में देखी जा सकती है। शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को अगले चरण के लिए चुना जाएगा। इस वर्ष अनुकूलन क्षमता परीक्षण को भर्ती प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। यह परीक्षण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना की अन्य परीक्षाएं। इस परीक्षण के लिए उम्मीदवारों को डेटा पैक क्रेडिट और चार्ज के साथ स्मार्टफोन लाना अनिवार्य है, जिसे परीक्षण से पहले स्विच ऑफ कर दिया जाएगा।

पांच साल में पैसों को डबल, ट्रिपल करने वाले सात फंड, निवेशकों को बड़ा फायदा

- हाइब्रिड कैटेगरी की स्कीम्स ने इक्विटी को दी कड़ी टक्कर
- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स ने 5 साल में दिया बढ़िया रिटर्न
- निवेशकों के पैसों को दो से तीन गुना तक कर दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स से हाई रिटर्न हासिल करने की बात हो तो आम तौर पर हमारा ध्यान इक्विटी स्कीम की तरफ ही जाता है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स की एक कैटेगरी ऐसी है, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देने के मामले में इक्विटी फंड्स को टक्कर दे सकती है। ये कैटेगरी है डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स यानी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की। इस कैटेगरी के टॉप 7 फंड्स ने 5 साल में निवेशकों के पैसों को डबल-ट्रिपल करके दिखाया है। साथ ही सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी इनका सालाना रिटर्न काफी आकर्षक रहा है। इन टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया, आईसीआईसीआई प्रू, टाटा म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परीबा और आदित्य बिरला सनलाइफ जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

ऐसा रहा प्रदर्शन

टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स का पिछले 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 15% से 24% तक रहा है. इन सभी फंड्स ने 5 साल पहले किए गए 1 लाख रुपये के निवेश को दो लाख से तीन लाख रुपये में तब्दील कर दिया है. इतना ही नहीं, इन सभी फंड्स ने **SIP** के जरिये किए गए निवेश पर भी साल दर साल 13% से लेकर 21% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है. आइए डालते हैं इन सभी फंड्स के पिछले प्रदर्शन पर एक नजर।

1. एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 24.62%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 3 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 10.12 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 21.02%)

2. बड़ौदा बीएनपी परीबा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 17.03%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.20 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.89 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 15.74 %)

3. एडेलवाइज बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.92%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.09 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.44 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.6%)

4. आदित्य बिरला सनलाइफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.71%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.08 लाख
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.60 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.4%)

5 साल में 15 से 24% तक एनुअल रिटर्न दिया

5. निप्पॉन इंडिया बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.67%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.07 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.02%)

6. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.52%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.06 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.99%)

7. टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 14.99%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.01 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.32 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.03%)

बेंचमार्क और रिस्क लेवल

इन सभी हाइब्रिड फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स इन दो में से कोई एक है - निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट डेट 50:50 इंडेक्स, जिसका पिछले 5 साल का सीएजीआर 12.70% रहा है या क्रिसिल हाइब्रिड 50+50 मॉडरेट इंडेक्स, जिसका 5 साल का सीएजीआर 13.62% है। सभी 7 फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग दी गई है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की निवेश रणनीति

पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट के बीच फंड एलोकेशन को वक्त के हिसाब से बदलने की रणनीति बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड (**Balanced Advantage Fund or Dynamic Assest Allocation**) की सबसे बड़ी खूबी है. इस रणनीति की बदौलत ये म्यूचुअल फंड बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच भी बेहतर और स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं. सेबी के नियमों के तहत इन फंड्स के मैनेजर को इक्विटी और डेट के बीच अपना फंड एलोकेशन जीरो से 100% तक बदलते रहने की छूट मिली हुई है। इस रणनीति का एक फायदा यह भी है कि अगर फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश को 65% या उससे ऊपर रखता है, तो इसमें निवेश पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स बेनिफिट भी मिल सकते हैं। हालांकि इक्विटी में ज्यादा एक्सपोजर की संभावना के कारण बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में रिस्क भी अधिक रहता है. इसलिए इनमें निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क बर्दाश्त करने की क्षमता को परख लेना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि के लिए पैसे लगाने की तैयारी रखनी चाहिए. साथ ही यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सलाह देना नहीं, निवेश का कोई भी फैसला अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह लेने के बाद ही करें।)

जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, जल्द बनेंगे करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, इससे बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें, अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं
- हर साल अपने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को भी अपग्रेड करें
- अपनी कमाई का कम से कम दस फीसदी हिस्सा बचत में लगाएं

अगर आप भी निवेश के जरिये अच्छा पैसा जुटाना चाहते हैं तो अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं। इससे आपको जल्द करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। आप अपने सपने आसानी से पूरे कर पाएंगे। इसके लिए जरूरी है, अपने लक्ष्य तय करें और लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाए। अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं यानी निवेश के लिए स्टेप-अप एसआईपी के फार्मूले को अपनाएं। अपने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और अपनी इनकम का कम से कम दस फीसदी निवेश जरूर करें और इसे हर साल बढ़ाते जाएं। फिर देखना आपका पैसा दिन दूनी और रात चौगुनी के साथ बढ़ेगा। नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है

- स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं। इसलिए स्टेप-अप एसआईपी जरूरी : बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल
- जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- इस तरह धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

असरदार तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

आईटीआर फाइलिंग : कुछ गलतियों की वजह से आ सकता है नोटिस

●जुर्माना भी लग सकता है और रिटर्न रिजेक्ट होने का भी रहता है खतरा ● टैक्सपेयर्स अक्सर आईटीआर फॉर्म चुनने में कर जाते हैं बड़ी गलतियां ● वेरिफिकेशन में गलती करते हैं, तो बढ़ सकती है आपकी परेशानी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना हर साल टैक्सपेयर्स के लिए एक जरूरी काम होता है, लेकिन कई बार इसमें छोटी-छोटी गलतियां उनके लिए भारी पड़ जाती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025 तक है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दी हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, जल्दबाजी या जानकारी की कमी के कारण कई बार टैक्सपेयर्स ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो नोटिस, जुर्माना या रिटर्न के रद्द होने का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं, सात ऐसी आम गलतियों के बारे में, जिनसे टैक्सपेयर्स को बचना चाहिए।

गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

सबसे आम गलती है गलत आईटीआर फॉर्म का चयन। हर फॉर्म खास तरह की आय और टैक्सपेयर्स के लिए बनाया गया है। मिसाल के तौर पर, अगर आपने शेयरों की बिक्री से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन कमाया है या आपके पास किसी विदेशी बैंक में अकाउंट है, तो आप आईटीआर-1 की जगह आईटीआर-2 भरना होगा। गलत फॉर्म चुनने से आपकी रिटर्न 'डिफेक्टिव' मानी जा सकती है या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। इसलिए, अपनी आय के सोर्स को ध्यान से देखें और सही फॉर्म चुनें।

सभी आय के सोर्स न बताना

कई टैक्सपेयर्स अपनी सारी आय को रिटर्न में नहीं दिखाते, चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। मसलन, बचत खाते का ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराए की आय या शेयरों से डिविडेंड को छिपाना गलत है। भले ही बचत खाते के ब्याज पर 10,000 रुपये तक की छूट मिलती हो, लेकिन इसे रिटर्न में दिखाना जरूरी है। आय छिपाने से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर में आप गलत ठहर सकते हैं, जिससे नोटिस या जुर्माना लग सकता है।

नौकरी बदलने पर आय छिपाना

अगर आपने वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों एम्प्लॉयर्स से मिली आय को रिटर्न में दिखाना जरूरी है। दोनों की फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। कई बार टैक्सपेयर्स पुराने एम्प्लॉयर की आय या टीडीएस की जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें, वरना नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

फॉर्म 26एएस की जांच न करना

रिटर्न फाइल करने से पहले फॉर्म 26 एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच करना जरूरी है। ये डॉक्यूमेंट्स आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी देते हैं। अगर इनमें कोई गलती है, जैसे बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक करवाएं। इन डॉक्यूमेंट्स का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। अगर जानकारी में अंतर हुआ, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है।

गलत डिडक्शन का दावा करना

कई टैक्सपेयर्स बिना सबूत के सेक्शन 80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की स्कूल फीस, एलआईसी प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी ले सकते हैं, जब आपके पास वैध डॉक्यूमेंट हों। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब एआईएस और एआई टूल्स के जरिए ऐसी गलतियों को आसानी से पकड़ लेता है। अगर आप बिना सबूत के छूट लेते हैं, तो नोटिस मिल सकता है या रिटर्न रद्द हो सकता है।

विदेशी संपत्ति की जानकारी न देना

अगर आपके पास विदेशी बैंक खाता, शेयर या दूसरी संपत्ति है, तो उसे रिटर्न में बताना जरूरी है। बजट 2024 में नियमों में थोड़ी ढील दी गई है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की चल संपत्ति को न दिखाने की छूट दी गई है। लेकिन इसके बावजूद, पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। विदेशी संपत्ति छिपाने पर पहले 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के बावजूद सावधानी बरतें।

रिटर्न का वेरिफाई न करना

रिटर्न फाइल करने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर वेरिफाई करना जरूरी है। यह सत्यापन आधार ओटीपी , नेट बैंकिंग या आईटीआर वी को डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप वेरिफाई नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है, जैसे कि आपने रिटर्न फाइल ही नहीं किया। कई टैक्सपेयर्स यह भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है।

ऋण | एमएफ लोन पर ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन से अधिक, लोन लेने का फैसला करने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करें

अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले, इससे आपकी एसआईपी चलती रहेगी

म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन, लेकिन जान लें कुछ बातें क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में एमएफ पर लोन सस्ता

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेन जा रहे हैं और म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश करते हैं जो आपके लिए म्यूचुअल फंड पर लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड पर लोन क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता होता है। हालांकि इसकी ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन लेने की तुलना में अधिक हो सकती हैं। फिर भी लोन लेने से पहले सभी विकल्पों पर विचार कर लिया जाना चाहिए। इससे आप आसानी से और सस्ती ब्याज दरों पर लोन ले सकेंगे। जीवन में कई कारणों से कभी-कभी अस्थायी रूप से पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यह घर के नवीनीकरण, परिवार में शादी या किसी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण हो सकता है। ऐसी नकदी की तंगी की स्थिति में, सबसे पहला विचार यही आता है कि अपनी बचत का इस्तेमाल करें और नुकसान होने पर भी अपने निवेश को बेच दें। और अगर इससे भी काम न चले, तो आप ऋण लेने की सोचते हैं। हालांकि, निवेश को बेचना सबसे अच्छा उपाय नहीं है। अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले सकते हैं। जी हां, जैसे आप लोन के लिए सोना और रियल एस्टेट जैसी अन्य संपत्तियां गिरवी रख सकते हैं, वैसे ही आप बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से अपने म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन ले सकते हैं। एमएफ पर लोन लेने से पहले आप 6 प्रमुख बातों के बारे में जान लें। ये आपके काफी काम आएंगी।

म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की एक सीमा तक ही ऋण मिलेगा

आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के बदले आपको मिलने वाले ऋण की राशि काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस प्रकार की म्यूचुअल फंड योजना में निवेश किया है और आप किस वित्तीय संस्थान से ऋण लेंगे। उदाहरण के लिए, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बैंक आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के 50% तक और डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 80% तक का लोन देते हैं। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक आपकी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 85% तक और इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 60% तक का लोन प्रदान करता है।

सभी बैंक सभी म्यूचुअल फंडों पर ऋण नहीं देते

कई बैंक केवल उनके द्वारा चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर ही ऋण देते हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई केवल एसबीआई म्यूचुअल फंड की म्यूचुअल स्कीमों पर ही ऋण देता है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी उन स्कीमों के बारे में चयनात्मक हैं जिन पर वे ऋण देते हैं। ये दोनों निजी बैंक कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीएमएस) के साथ पंजीकृत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रबंधित म्यूचुअल फंड स्कीमों पर ऋण प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक सेट सूचीबद्ध किया है, जिसके आधार पर वह धन उधार देता है।

मिलने वाला ऋण राशि की ऊपरी सीमा

किसी भी प्रकार के ऋण की तरह, म्यूचुअल फंड पर दिए जाने वाले ऋणों की भी कुछ सीमाएं होती हैं। कई बैंकों ने आपको मिलने वाले ऋण की अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय कर रखी है। उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई बैंक जैसे अधिकांश बड़े निजी बैंकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में न्यूनतम ऋण राशि 50,000 रुपये और अधिकतम राशि 20 लाख रुपये तथा डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 1 करोड़ रुपये तक निर्धारित की है। एनबीएफसी के मामले में, न्यूनतम और अधिकतम दोनों सीमाएं आमतौर पर ज़्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनेंस में न्यूनतम ऋण राशि 25 लाख रुपये और अधिकतम 10 करोड़ रुपये है। बजाज फिनसर्व के मामले में भी यही स्थिति है।

ऋण की लागत व्यक्तिगत ऋण व क्रेडिट कार्ड ऋण से कम

म्यूचुअल फंड पर लोन का एक प्रमुख लाभ यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज दर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड पर लोन सुरक्षित होते हैं, यानी उनके पीछे कोई संपार्श्विक होता है। उदाहरण के लिए, आपको म्यूचुअल फंड पर लिए गए लोन पर 8-10% की ब्याज दर चुकानी होगी। यह आपके द्वारा चुनी गई बैंक और म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर अलग-अलग होगा। अगर आप डेट फंड योजनाओं की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर कम होती है, और अगर आप इक्विटी फंड की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर ज़्यादा होती है।
दूसरी ओर, क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित लोन के मामले में, लोन आपकी किसी भी वित्तीय संपत्ति द्वारा समर्थित नहीं होता है। इसलिए, बैंक द्वारा उठाए जा रहे उच्च जोखिम के अनुरूप, आपसे 8-10% से अधिक ब्याज दर वसूलने की संभावना होती है।

गिरवी रखी गई एमएफ यूनिटों पर रिटर्न मिलता रहेगा

जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर उन पर लोन लेते हैं, तो वे यूनिट्स बाजार में निवेशित रहती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स किसी बैंक में गिरवी रखते हैं, तो आप बैंक को यह अधिकार देते हैं कि वह म्यूचुअल फंड यूनिट्स को तभी बेचे जब आप डिफॉल्ट करें। लेकिन जब तक आप डिफॉल्ट नहीं करते, तब तक आपके निवेश बाजार से जुड़े रहते हैं और आप उन पर रिटर्न कमाते रहते हैं। इस प्रकार, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी वित्तीय योजना अभी भी बरकरार है और साथ ही आप किसी भी यूनिट को भुनाए बिना अल्प सूचना पर आवश्यक पूंजी जुटा सकते हैं।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

तकनीक की बदौलत, एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे कई बैंक अब आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर ऑनलाइन लोन दे रहे हैं। आपको बस अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स ऑनलाइन गिरवी रखनी हैं और अपने खाते में ओवरड्राफ्ट लिमिट सेट करवानी है। ओवरड्राफ्ट सुविधा का मतलब है आपके बैंक के साथ एक क्रेडिट समझौता जिसके तहत आप अपने खाते में जमा राशि से ज़्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इसकी एक पूर्व-स्वीकृत सीमा होती है।

खबर संक्षेप

11 सालों से फरार अपराधी किया काबू

फतेहाबाद। पिछले 11 सालों से फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी को थाना शहर टोहाना की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि आरोपी बिट्टू पुत्र रमेश उर्फ भोलिया निवासी जगदीश कॉलोनी, हांसी, जिला हिसार के विरुद्ध थाना शहर टोहाना में 2014 में मामला दर्ज था। आरोपी लगातार न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिस पर न्यायालय द्वारा उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया था। थाना शहर टोहाना की पुलिस टीम ने आज विशेष सूचना के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जाखल में धूमधाम से मनाया जाएगा तीज पर्व

फतेहाबाद। जाखल में इस वर्ष भी हरियाली तीज का पर्व आज से धूमधाम से मनाया जाएगा। पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ मनाए जाने वाले इस पर्व के लिए ताऊ देवीलाल पार्क में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नगरपालिका चेयरमैन विकास कामरा ने बताया कि तीज पर्व एकता और सौहार्द को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर महिलाएं एकत्रित होकर पूजा अर्चना करती हैं। कार्यक्रम के दौरान शाम 5 से 7 बजे तक पार्क में किसी भी पुरुष को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

भाजपा महिला मोर्चा का आयोजन, पंजाबी लोक गीतों पर जमकर नृत्य किया

महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हरियाली तीज का पर्व

- कमहिलाओं ने पंजाबी विरसा सहित पंजाबी लोक गीतों पर जमकर नृत्य किया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। हरियाली तीज कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा हरियाली तीज पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट व भाजपा नेता सुरेंद्र आर्य ने शिरकत करते हुए महिलाओं को हरियाली तीज पर्व की बधाई दी। महिलाओं ने पंजाबी विरसा सहित पंजाबी लोक गीतों पर जमकर नृत्य किया और कार्यक्रम का पूरा लुत्फ उठाया। इसके अलावा महिलाओं में कई प्रतियोगिताएं भी करवाई गई, जिनमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि हरियाली तीज का उत्सव सौंदर्य और प्रेम के उत्सव के साथ एक धर्म का उत्सव है। इसमें सभी सुहागिनी महिलाओं को एक मंच पर आने का अवसर मिलता है। हम सभी के लिए यह एक गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पुरातन रीति रिवाज लगभग विलुप्त होते जा रहे हैं, उनमें तीज महोत्सव काफी मायने रखता है। इससे महिलाएं अपनी पौराणिक संस्कृति से जुडऩे का सौभाग्य प्राप्त कर रही हैं। इस मौके पर जसविंद्र पाल पिंकी ने कहा कि तीज का पर्व नारी शक्ति, प्रेम, समर्पण और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं द्वारा बड़े उल्लास और आस्था के साथ मनाया जाता है। तीज हमारे समाज में नारी की भूमिका और उसकी आंतरिक शक्ति का उत्सव है। तीज का त्योहार हमें प्रकृति, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति की जीवंतता और हमारी परंपराओं की गहराई को दर्शाता है। इस मौके पर भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, लखविंद्र कौर, पूर्व महामंत्री महिला मोर्चा राज शर्मा, पुष्पा जिला सचिव, पूनम सिंगला, सुमन शर्मा एमसी, कौशल्या वर्मा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ग्रुप की अध्यक्ष सुमन वर्मा, किरण बाला योगा टीचर सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

राजकीय स्कूल जोधकां में मनाया गया तीजोत्सव

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोधकां में तीज का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रिंसिपल मूलचंद बंसल ने बताया कि इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढकर भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन वीटी निशा और बंटी द्वारा किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में विशेष रूप से मेहंदी प्रतियोगिता, तीज थीम पर नेल आर्ट प्रतियोगिता, हस्तनिर्मित चूड़ी स्टॉल एवं प्रदर्शनी, पारंपरिक परिधानों की झलकियां, फैब्रिक पेंटिंग और ब्लॉक प्रिंटिंग जैसे आकर्षक कार्यक्रम में शामिल रहे। इसके अलावा छात्राओं द्वारा अलग-अलग प्रांतों के परिधान पहनने की शैलियों का भी प्रदर्शन किया गया, जिससे सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक देखने को मिली। एक विशेष प्रस्तुति के अंतर्गत विद्यार्थियों ने कल्चर गाइड की भूमिका निभाई और वर्चुअल पर्यटकों को तीज पर्व की ऐतिहासिक, धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना उत्पन्न करते हैं।

जिला स्तरीय तीज महोत्सव 28 को, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा होंगे मुख्यातिथि

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्थानीय डीपीआरसी हॉल में 28 जुलाई को जिला स्तरीय तीज महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय तीज महोत्सव में प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसी दिन तीज महोत्सव का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन अंबाला शहर में होगा जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दोपहर बाद एक से स्थानीय डीपीआरसी हॉल में आयोजित जिला स्तरीय तीज महोत्सव में किया जाएगा। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि फतेहाबाद जिला के सभी खंडों से स्वयं सहायता समूह की लगभग 1000 महिलाएं जिला स्तरीय तीज महोत्सव में भाग लेंगी। इसके अलावा स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं द्वारा स्वयं निर्मित उत्पादो की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025 हेतु चयनित सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूहों को स्टेट कैश अवार्ड की राशि आबंटित की जाएगी।

फतेहबाद। पुलिस गिरफ्त में हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार युवक।

पुलिस ने हेरोइन सहित तीन तस्करों को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत थाना जाखल पुलिस ने 11 ग्राम हेरोइन सहित दो युवकों और एक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। साथ ही नशा तस्करी में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलविंद्र सिंह उर्फ बिंद्र पुत्र निर्मल सिंह निवासी गांव भुंदड़, थाना मूनक, जिला संगरूर, पंजाब, हनुमानपुरी उर्फ मल्ली पुत्र गजनपुरी निवासी रूलदू कॉलोनी, जाखल तथा सतगुरु सिंह उर्फ सेठी पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी नायक बस्ती, जाखल के रूप में हुई है। जाखल थाना प्रभारी उप-निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा संच कैंटीन, कुलां रोड पर नाका लगाया गया था। इस दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोककर चेक किया गया, जिसमें सवार युवकों के कब्जे से 11 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दो आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर सप्लायर सतगुरु सिंह को भी जाखल से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

अवैध शराब की 170 पेटी के साथ एक काबू

हांसी। विशेष अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने करीब 6 लाख रुपये की अवैध शराब की 170 पेटी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अवैध शराब के साथ पकड़े गए आरोपी की पहचान भाटोल जाटान निवासी साहिल के रूप में हुई है। यह जानकारी देते स्पेशल स्टाफ में तैनात सब इंस्पेक्टर सुरजमल ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी को गश्त पड़ताल दौरान सुचना मिली थी एक व्यक्ति पिकअप कन्टेनर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुन्दनापुर फ्लाईओवर से दिल्ली की ओर अवैध शराब लेकर जायेगा।

अजय चौटाला ने शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कारगिल विजय दिवस पर जेजेपी ने शहीद कृष्ण कुमार को दी श्रद्धांजलि

- वीर सैनिकों व बलिदानियों को जेजेपी पार्टी की ओर से नमन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। अजय चौटाला शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए।

जननायक जनता पार्टी ने कारगिल विजय दिवस पर देश के उन सभी बहादुर जवानों के प्रति अपनी कृतज्ञता दर्शाई जिन्होंने अपने वतन की खातिर अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। इसी कड़ी में जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बेगू रोड स्थित गोल डिग्गी चौक पहुंचकर चौक पर स्थित गांव तरकांवाली के जांबाज सिपाही शहीद कृष्ण कुमार की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अजय चौटाला ने कहा कि आज हम उन सभी शहीदों को नमन करते हैं जिन्होंने कारगिल युद्ध में अपनी शहादत दी और देश की रक्षा करते हुए अपनी कुर्बानी दी लेकिन देश को आंच नहीं आने दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे सेना के जवानों पर गर्व करने का दिन भी है। उन्होंने कहा कि जब जब देश की सीमाओं को पार करने का दुश्मनों ने साहस किया है, तब तब हमारे वीर सैनिकों ने दुश्मनों के दांत खट्टे किए हैं। उन्होंने कारगिल दिवस पर इस युद्ध में भाग लेने वाले सभी वीर सैनिकों व बलिदानियों को जेजेपी पार्टी की ओर से नमन किया। इस अवसर पर उनके साथ जेजेपी के जिला अध्यक्ष अशोक वर्मा, डॉ. राधेश्याम शर्मा, सुरेंद्र बैनीवाल, हरि सिंह भारी, प्रोमिला शर्मा, अमर सिंह ज्याणी, पृथ्वी मील, राजेंद्र गनेरीवाला, अनिल कासनिया, योगेश शर्मा, दीपक भाटिया, शगनजीत सिंह गिल, योगेश शर्मा, युसूफ खान, कादर खान, अमरजीत कौर आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी शहीद कृष्ण कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रतिया। मां नैना देवी मेले के लिए रवाना होते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

शक्ति नाटक क्लब रतिया द्वारा मां नैना देवी मेले के लिए बस रवाना

रतिया। शक्ति नाटक क्लब रतिया के प्रधान राजेश सेतिया द्वारा सावन के माता रानी के मेले के लिए पहली बस यात्रा श्री नैना देवी के लिए रवाना की गई। राजेश सेतिया ने बताया कि इस यात्रा के दौरान काली माता मंदिर पटियाला, गुरुद्वारा श्री दुःख निवारण पटियाला, गुरुद्वारा श्री केश गढ़ आनंदपुर साहिब एवं गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब के दर्शन किए जाएंगे। मां नैना देवी यात्रा के लिए बस की रवानगी के दौरान झंडे की रस्म अग्रवाल समाज के प्रधान प्रमोद बंसल एवं पंजाबी समाज के प्रधान सतीश हांडा द्वारा अदा की गई। प्रमोद बंसल ने कहा कि रतिया शहर धार्मिक आयोजनों के लिए जाना जाता है। उन्होंने प्रधान राजेश सेतिया के इस यात्रा के लिए बहुत प्रशंसा की। इस मौके पर शिव लंगर कमेटी के प्रधान पुजारा लाल चुघ, रतिया नगर पालिका के प्रधान प्रतिनिधि कालू खन्ना, नीति सेतिया, कृष्ण तनेजा, भूपेन्द्र कामरा, हनी कक्कड़, हिमांशु चावला, अनिल रूखाया आदि मौजूद रहे।

अजय चौटाला ने शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सरवरपुर में नुक्कड़ सभा में किया नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक

- गांव सरवरपुर में एक नुक्कड़ सभा का आयोजन कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम सदस्य।

जिलेभर में नशा उन्मूलन के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने एसआई सुंदर मुसाफिर के नेतृत्व में गांव सरवरपुर में एक नुक्कड़ सभा का आयोजन कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। सभा में ग्राम पंचायत सदस्यों, मिडल स्कूल के प्रधानाध्यापक, आरोही स्कूल के प्राचार्य, एएनएम, आशा वर्कर्स समेत अनेक ग्रामीणों ने भाग लिया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने न केवल जागरूकता का संदेश दिया, बल्कि वास्तविक सहायता भी उपलब्ध करवाई। ग्रामीणों के सहयोग से गांव सरवरपुर के सात नशा पीड़ितों की पहचान की गई, जिनमें से प्रत्येक को भट्ठू मंडी से आए एक अन्य पीड़ित के साथ काउंसलिंग दी गई। इन सभी को आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक उपचार भी निःशुल्क मुहैया कराया गया। इसके पश्चात टीम ने गांव दीवाना में पूर्व चिन्हित 6 नशा पीड़ितों से भी संपर्क किया और उन्हें दोबारा काउंसलिंग तथा उपचार सुविधा प्रदान की। सभी 14 पीड़ितों के डोजियर फार्म भी मौके पर ही भरे गए, ताकि भविष्य में इनकी प्रगति की निगरानी की जा सके। नशा मुक्ति टीम के इस अभियान को ग्रामीणों ने सराहा और भविष्य में भी ऐसे प्रयासों में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह अभियान केवल एक स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक पुनरुत्थान की दिशा में एक ठोस कदम बनकर सामने आया है।

अभ्यर्थियों के लिए डेरा श्रद्धालुओं ने की भोजन, शीतल पेयजल की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ग्रुप-सी पदों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की परीक्षा शनिवार से शुरू हुई। ऐसे में डेरा सच्चा सौदा के श्रद्धालुओं ने परीक्षार्थियों, उनके अभिभावकों, परिवहन विभाग के कर्मचारियों और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस कर्मियों के लिए भोजन और शीतल पेयजल की व्यवस्था की। उल्लेखनीय है कि बीते शुक्रवार शाम से ही डेरा सच्चा सौदा की ओर से जिले के विभिन्न रूटों पर चलने वाली रोडवेज बसों के चालक-परिचालकों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए। तडक़े 3 बजे से बस स्टैंड पर काउंटर लगाकर हिसार सहित अन्य परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले अभ्यर्थियों, परिवहन विभाग के कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों को भोजन उपलब्ध कराया गया। गर्मी को देखते हुए शाह सतनाम जी गल्र्ज स्कूल, कॉलेज, शाह सतनाम जी बॉयज स्कूल और कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों के बाहर व बस स्टेंड पर प्याऊ लगाकर ठंडे पानी की व्यवस्था की गई।

सिरसा। डेरा श्रद्धालु बस स्टैंड पर अभ्यर्थियों को भोजन व ठंडा जल देते हुए। फोटो : हरिभूमि

बुलेट का किया 31 हजार का चालान

हांसी। यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने साइलेंसर से गोली जैसी आवाज निकालने वाले बुलेट मोटरसाइकिल का 31 हजार रुपये का चालान कर उसे इंपाउंड कर लिया। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि सड़क पर दो पहिया वाहनों की यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है और इसी अभियान के दौरान अग्रसेन चौक के समीप बुलेट सवार को कागजात की जांच के लिए रोका।

वादा खिलाफी के विरोध में खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। खंड शिक्षा अधिकारी अमनपाल गोदारा को ज्ञापन सौंपते हुए अध्यापक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढां

हरियाणा शिक्षा विभाग तालमेल कमेटी व हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ खंड ओढ़ा द्वारा शिक्षा विभाग की वादा खिलाफी, जन शिक्षा से जुड़ी जमीनी समस्याओं, लंबे समय से स्थानांतरण न होने, स्कूल मैनेजमेंट समिति के प्रस्तावित मर्जर के विरोध में खंड शिक्षा अधिकारी अमनपाल गोदारा को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल की अध्यक्षता हरबादल सिंह प्रवक्ता ने अपने संबोधन में स्कूलों के मर्जर क्लस्टर व्यवस्था को तोडने, अध्यापकों के स्थानांतरण का पिछले तीन सालों से तुगलकी फरमान जारी करने, अतिथि अध्यापकों व एचकेआरएन के तहत लगे अध्यापको को समान काम समान वेतन देकर पक्का करने की अपील की। इसके अलावा मा. शमशेर सिंह चोरमार, जगदीश सिंहपुरा, सिकंदर सिंह प्रवक्ता, मनप्रीत सिंह व दूशन सिंह कोषाध्यक्ष ने भी संबोधित किया। विद्यालय परिसर में काम करने वाले मिड डे-मील वर्कर, सफाई कर्मी व चौकीदारों का वेतन बढ़ाने, उन्हें पक्का करने की पैरवी की। इस अवसर पर जगसीर सिंह, विशकरण सिंह,ओ सुखसुंदर सिंह, राजपाल सिंह, पिंकी रानी, रेणु व रीना सहित महिला अध्यापक भी मौजूद रहे।

योजना उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए भूजल स्तर का संरक्षण और पूणर्भरण सुनिश्चित करना

महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी भूजल संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का किया उदघाटन

जल संरक्षण की दिशा में नाबार्ड ने किया अनूठी परियोजना का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। भूजल संरक्षण परियोजना का उद्घाटन करती महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी।

जिला सिरसा के गांव नथोर में नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण हेतु एक अनूठी परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए भूजल स्तर का संरक्षण और पूणर्भरण सुनिश्चित करना है। एक्सपर्ट संस्था द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में अटल भूजल के सहयोग से गांव के प्राचीन धरोहर कुंए को सहेजकर जल संचयन मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। भूजल संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उदघाटन करते हुए नाबार्ड हरियाणा से मुख्य महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी ने बताया कि भूजल की हर बूंद अमूल्य है,और इसका संरक्षण ही स्थायी विकास की कुंजी है। हमें पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संग्रहण, रिचार्ज वेल, और सिंचाई में जल-संवेदनशील तकनीकों का प्रयोग जैसे उपायों को अपनाना होगा ताकि हम भविष्य की पीढ़ियों के लिए पानी का संरक्षण सुनिश्चित कर सकें। नाबार्ड से सहायक महाप्रबंधक स्वरदीप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भूजल स्तर में गिरावट को चिंताजनक बताते हुए कहा कि नाबार्ड ने भूजल स्तर में सुधार करने का बीड़ा उठाते हुए जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है, जिसमें नथोर गांव को प्रदेश के पहले मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया गया है इस पायलट परियोजना के तहत गांव में प्राचीन धरोहर कुंए में जल सरंक्षित करने के साथछतों से वर्षा जल संग्रह व किसानों को जल बचत तकनीक से जोड़ते हुए धान की कम अवधि वाली फसल उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। संदीप कुमार ने नाबार्ड के इस प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि भूजल हमारे जीवन की अदृश्य शक्ति है, जिसका संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। एक्सपर्ट निदेशक विनीत छाबड़ा ने कहा कि यह योजना सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। कार्यक्रम में अटल भूजल टीम से पारुल कुमार व संजीत सिंह ने परियोजना की संपूर्ण प्रक्रिया व तकनीकी कार्यकलाप के बारे में गांववासियों को जागरूक करते हुए भूजल पुनर्भरण और जल संचयन की आधुनिक तकनीकों पर जानकारी दी और बताया कि जल संरक्षण कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। इस दौरान ग्राम पंचायत नथोर से सरपंच नीतू झोरड़ ने नाबार्ड के अभियान की प्रशंसा करते हुए ग्राम स्तर पर इस योजना को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

खबर संक्षेप

रास्ते को पक्का करवाने के लिए ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

सिरसा। जिला के गांव बरासरी के ग्रामीणों ने शनिवार को खेतों के कच्चे रास्ते को पक्का करवाने की मांग को लेकर भाजपा जिला सचिव बलजिंद्र जोसन को मंत्री कृष्ण बेदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने आए किसानों जयवीर रोज, सरपंच अमर सिंह रोज, कृष्ण कड़वासरा, प्रहलाद सहारण, मोहनलाल सहारण, राजेश राठौर, शंकर राठौड़, कृष्ण रोज, प्रदीप सहारण, राजेश चाहर, मांगेराम मेघवाल, ईश्वर मेघवाल, नरेश बेनीवाल, सुरेंद्र बेनीवाल,, सुभाष बेनीवाल अमीलाल इंदौर, डूंगर कड़वासरा, राकेश सहारण ने संयुक्त रूप से बताया कि गांव के मोहन सहारण से जयवीर सिंह के खेत तक का रास्ता कच्चा है।

श्री नर्मदे धाम कंगनपुर रोड में शोभा झंडा यात्रा 3 को

सिरसा। श्री नर्मदे धाम कंगनपुर रोड सिरसा में 3 अगस्त को शोभा झंडा यात्रा निकाली जाएगी। मंदिर के मुख्य पुजारी महेश पुजारी ने बताया कि आगामी 3 अगस्त को सुबह 8 बजे गली नंबर-2, शिवनगर, कंगनपुर रोड सिरसा से ध्वज शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। शोभा यात्रा सतनाम सिंह चौक से होते हुए कंगनपुर रोड की गलियों में से होते हुए वापस मंदिर में पहुंचेगी। इसके बाद सुबह 11 बजे लंगर-भंडारा लगाया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

चोरी का आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार, केस दर्ज

सिरसा। नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने चोरी की वारदात के मुख्य आरोपी अनुप पुत्र घासीराम निवासी जनाणा, जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि रवि पुत्र सुभाष निवासी गांव नहराणा द्वारा दी शिकायत में बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर से 3 लाख रुपए की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण एवं वीवो कंपनी का एक मोबाइल चोरी कर लिया। थाना नाथूसरी चौपटा में मामला दर्ज किया गया।

सीडीएलयू में शिक्षकों ने किया पौधरोपण

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज के डीन प्रो. सुशील कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी विभागों के शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

सिरसा। शहर थाना पुलिस ने हेरोइन की बरामदगी से जुड़े मामले में हैरोइन सप्लायर अजय कुमार निवासी चंडीगढिया मौहल्ला सिरसा को गिफ्तार किया गया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पहले से मामला दर्ज था। इस मामले में 7.34 ग्राम हैरोइन बरामद हुई थी। आरोपी अजय ने पूछताछ पर स्वीकार किया कि मैन कुछ हैरोइन तस्कर रवि पुत्र केवल चंद निवासी शमशाबाद पट्टी को बेची थी। आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत जेल सिरसा में भेजा गया है

तबीजी चोरी करने के आरोप में महिला काबू

सिरसा। शहर थाना पुलिस ने तारा बाबा कुटिया परिसर में महिला के गले से सोने की तबीजी चुराने के मामले में मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया गांव नटार निवासी तारो बाई पत्नी दलीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह तारा बाबा कुटिया आई थीं।पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी महिला मौसमी उर्फ ललिता को गिरफ्तार किया है।

आशा वर्कर्स यूनियन का जिला सम्मेलन, शीला शक्करपुरा प्रधान चुनीं गई

आशा वर्कर्स को 7 महीने से नहीं मिला मानदेय, स्वास्थ्य मंत्री का करेंगी घेराव

सम्मेलन में 25 सदस्य जिला कमेटी और 9 सदस्यीय सचिव मंडल का गठन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। आशा वर्कर्स यूनियन के सम्मेलन को संबोधित करती मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

शहीद उधम सिंह भवन सीटू दफ्तर में आशा वर्कर यूनियन का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 25 सदस्य जिला कमेटी और 9 सदस्यीय सचिव मंडल का गठन किया गया। इसमें शीला शक्करपुरा को सर्वसम्मति से आशा वर्कर्स यूनियन का जिला प्रधान चुना गया। इसके अलावा सविता भूना को जिला सचिव व सुमन धारनियां को जिला कैशियर चुना गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर आशा वर्कर्स यूनियन की राज्य कैशियर अनिता झज्जर ने भाग लिया।

सम्मेलन को संबोधित राज्य कैशियर अनीता झज्जर ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार के राज में आशा वर्कर्स को पिछले 7 महीने से मानदेय नहीं दिया गया है। बता दें आशा वर्कर्स को 6100 रुपये मासिक मानदेय मिलता है जिसमें एक हिस्सा केंद्र सरकार और एक हिस्सा राज्य सरकार अदा करती है और वो भी 7 महीने तक नही मिलें। जो आशा वर्कर्स किराए के मकान में रहती हैं मकान मालिक, मकान खाली करने की धमकी दे रहे हैं, रसोई से राशन गायब है। इस कारण जहां आशा वर्कर्स में सरकार के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है, वहीं केंद्र व राज्य सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे की हवा निकलती नजर आ रही है। इस कारण कमर तोड़ महंगाई में आशा वर्कर्स के परिवार भूखमरी की कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स को मानदेय न मिलने के कारण बच्चों के स्कूलों से नाम काटे जा रहे हैं, बिजली का बिल न भरने के कारण बिजली कनेक्शन काटने की तैयारी की जा रही है, दुकानदारों ने राशन देना बंद कर दिया।

ऑनलाइन काम करने का बना रहे दबाव

सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा व आशा वर्कर्स की जिला सचिव सविता भूना ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सारे काम की जिम्मेदारी आशा वर्कर्स पर थोंपी जा रही है। आए दिन नए-नए काम आशा वर्कर्स को दिए जा रहे हैं। ऑनलाइन काम करने का दबाव बनाया जा रहा है। सरकार एवं विभाग काम तो लेना चाहता है, लेकिन काम के दाम नहीं देना चाहता है, इसलिए 4 अगस्त को हरियाणा प्रदेश में कार्यरत 18 हजार से ज्यादा आशा वर्कर्स स्वास्थ्य मंत्री के रेवाड़ी स्थित आवास पर रोष प्रदर्शन कर आवास की घेराबंदी करेंगे। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि पिछला बकाया 7 माह के मानदेय का तुरंत भुगतान किया जाए, ऑनलाइन काम बंद किया जाए, आशा वर्कर्स को पक्के कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, जब तक पक्का नहीं किया जाता न्यूनतम वेतन लागू करते हुए 26 हजार रुपए न्यूनतम वेतन लागू किया जाए। सम्मेलन को माया भट्ट, सुनीता भोजराज, सुमन दैयड, सुनीता लहरियां, अनीता इंदाछुई, बेगरीज , जगीर सिंह, जगतार सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

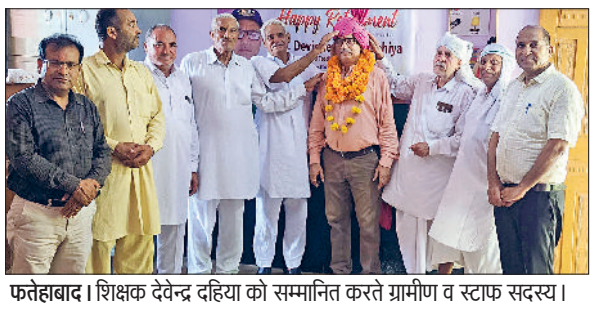

फतेहाबाद। शिक्षक देवेन्द्र दहिया को सम्मानित करते ग्रामीण व स्टाफ सदस्य।

राज्य शिक्षक सम्मान प्राप्त देवेंद्र सिंह का ढाणी गोमाराम में हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ढाणी गोमाराम स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को राज्य शिक्षक पुरस्कार विजेता देवेंद्र सिंह दहिया के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ग्रामीणों, पूर्व विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उन्हें पगड़ी पहना और शाल भेटकर ससम्मान विदाई दी।

इस आयोजन के मुख्य सूत्रधार प्रीतम फुटेला ने बताया कि देवेंद्र सिंह दहिया ने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत इसी विद्यालय से वर्ष 1995 में की थी और लगातार 10 वर्षों तक यानी 2005 तक इस विद्यालय में सेवा दी। उनके कार्यकाल में विद्यालय ने कई शैक्षिक उपलब्धियां हासिल कीं और स्थानीय स्तर पर पहचान बनाई। समारोह में प्रधानाचार्य अनिल मेहता ने कहा कि देवेंद्र सिंह दहिया की मेहनत, अनुशासन और समर्पण के चलते न केवल छात्र लाभान्वित हुए, बल्कि पूरे गांव को शिक्षा के प्रति नई दिशा मिली। भजन लाल नम्बरदार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, दीर्घायु व समाजसेवी जीवन की कामना की और भरोसा जताया कि वे आगे भी इसी प्रकार समाज और शिक्षा क्षेत्र में योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनिल मेहता, मुख्य शिक्षक प्रीतम फुटेला, चौधरी रांझाराम, चौधरी भजनलाल, नंबरदार ,लेखराज सामा, लाभचंद सामा, गोपीचंद विनायक, महेंद्र विनायक, पवन कुमार, प्रमोद, परविंद्र कौर, कृष्णा देवी, रितिक, बलबीर सिंह, सेवा सिंह व विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांगों को दस हजार पेंशन देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। विधायक बलवान सिंह को ज्ञापन सौंपते विकलांग अधिकार मंच के सदस्य।

विकलांगों को 10 हजार पेंशन सहित अन्य मांगों को लेकर विकलांग अधिकार मंच ने फतेहाबाद के विधायक को मांग पत्र सौंपा। विकलांग अधिकार मंच की भूना ब्लॉक कमेटी के सदस्य जिला एवं राज्यध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार व ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वर सिंह के संयुक्त नेतृत्व में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया से मिले और उन्हें मुख्यमंत्री के नाम मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा। विकलांग अधिकार मंच के जिला एवं राज्यध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार व ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वर सिंह ने बताया कि विकलांग अधिकार मंच की राष्ट्रीय कमेटी के आहवान पर विकलांगो की मांगो को सरकार तक पहुंचाने व मांगों को पूरा करवाने के लिए प्रदेशभर में मुख्यममंत्री के नाम ज्ञापन देने का अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में आज भूना ब्लॉक कमेटी के सदस्य पूरे काफिले के रूप में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया के फतेहाबाद कार्यालय पहुंचे और विधायक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होने बताया कि हरियाणा में विकलांगों की लगभग 15 लाख आबादी है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में पिछड़ी हुई है। इतनी बड़ी आबादी में 2 लाख से कम विकलांगजन ही पेंशन ले रहे है। महंगाई के इस दौर में मात्र 3 हजार रूपये पेंशन से विकलांगों का गुजारा बड़ी मुश्किल से होता है। दूसरी तरफ परिवार पहचान पत्र की आय को आधार बनाकर विकलांगों की पेंशन को रोका जा रहा है। नई पेंशन के लिए विकलांगों को बार-बार चक्कर काटने पड़ रहे हैं। परिवार पहचान पत्र ने विकलांगों के जीवन को पूरी तरह प्रभावित किया हुआ है जो एक परेशानी का कारण बना हुआ है। हरियाणा सरकार ने विकलांगों को इस वर्ष बजट में हरियाणा की बसों में 40 प्रतिशत या इससे अधिक विकलांगता पर फ्री बस यात्रा सुविधा की घोशणा की थी लेकिन अभी तक हरियाणा सरकार द्वारा संबंधित विभाग को कोई पत्र जारी नहीं किया गया है। उन्होने हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि 40 प्रतिशत या इससे अधिक विकलांगता पर फ्री बस पास यात्रा कार्ड लागू किया जाए, विकलांगों की पैंशन 10 हजार रूपये प्रति महीना की जाये जिसमें 5 हजार रूपये केन्द्र व 5 हजार रूपये राज्य सरकार दे और परिवार पहचान पत्र बंद किया जाए।

श्री श्यामा महादेव मंदिर के तीसरे स्थापना महोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। शोभा यात्रा में शामिल झांकी। फोटो : हरिभूमि

श्री श्याम बगीची धाम स्थित श्री श्यामा महादेव मंदिर के तीसरे स्थापना महोत्सव पर शुक्रवार को हवन यज्ञ एवं विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि बगीची परिसर में स्थित श्री श्यामा महादेव मंदिर का तीसरा महोत्सव आज बहुत ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। उन्होंने बताया कि श्री श्यामा महादेव मंदिर की स्थापना समाजसेवी सतीश परुथी द्वारा करवाई गई थी।

इस अवसर पर सुबह सवा नौ बजे हवन यज्ञ हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति डालकर विश्व शांति की कामना की। दोपहर बाद विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में 501 महिला एवं पुरुष श्रद्धालु हाथों में बाबा का निशान लेकर चल रहे थे। शोभा यात्रा में भगवान शंकर, मां काली की गणों के साथ झांकी, राधा-कष्ण की झांकी आकषर्ण का केंद्र रहे। शोभा यात्रा श्याम बगीची से चलकर अनाज मंडी, शिव चौक, सूरतगढिया बाजार, घंटाघर चौक, चांदनी चौक बाजार, भगत सिंह चौक, रोड़ी बाजार, जगदेव सिंह चौक, जनता भवन रोड होते हुए बगीची परिसर में पहुंच कर संपन्न हुई। शोभा यात्रा का शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

सिरसा । तीज सेलिब्रेशन कार्यक्रम में पुरस्कार प्राप्त करती महिला ग्राहक।

तीज सेलिब्रेशन में उमड़ी भीड़, तनिष्क सिरसा बना आकर्षण का केंद्र

सिरसा। तनिष्क सिरसा पर हाल ही में आयोजित तीज सेलिब्रेशन कार्यक्रम ने ग्राहकों और शहरवासियों का दिल जीत लिया। इस आयोजन में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और स्टोर पर विशेष छूट व उपहारों का आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफ़र्स रखे गए थे, जिनमें डिस्काउंट, गिफ्ट्स, फन गेम्स और नेल आर्ट एक्टिविटी का खास इंतज़ाम किया गया था। बच्चों और बड़ों-दोनों ने इस उत्सव का जमकर आनंद लिया। स्टोर प्रबंधक नरेश ने बताया कि हमारे इस सेलिब्रेशन का उद्देश्य केवल बिक्री नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक यादगार अनुभव देना था। इस त्यौहार पर झूला लगा कर इस त्यौहार में जान डाल दी और सभी के उत्साह और प्यार ने इस आयोजन को सफल बनाया। तनिष्क सिरसा द्वारा आयोजित पूरे आयोजन को सभी ग्राहकों द्वारा भी खूब सराहा गया, और आने वाले समय में ऐसे और आयोजन करने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व विधायक कांडा के बयान पर इनेलो ने किया पलटवार

- कांडा बंधु अपनी राजनीतिक हैसियत के मुताबिक ही दें राजनीतिक बयान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा के पूर्व विधायक गोपाल कांडा द्वारा हरियाणा विधानसभा 2024 में रानियां विधानसभा सीट पर इनेलो प्रत्याशी अर्जुन चौटाला को जीत दिलाने में पूर्व मुख्यमंत्री व हाल केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल के निर्देशों पर अपनी भूमिका का जिक्र करने पर इनेलो ने पलटवार किया है।

इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि बेहतर होगा कि कांडा बंधु अपने राजनीतिक वजूद की पृष्टभूमि को जानें और हैसियत से ज्यादा बयानबाजी करने से बचें। इस कड़ी में इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि रानियां विधानसभा क्षेत्र नए परिसीमन के मुताबिक वर्ष 2009 में अस्तित्व में आया था और उस समय तत्कालीन इनेलो प्रत्याशी कृष्ण कंबोज ने जीत हासिल की थी। उसके बाद वर्ष 2014 में भी इनेलो के ही तत्कालीन प्रत्याशी रामचंद्र कंबोज विजयी हुए थे। अब वर्ष 2024 में इनेलो प्रत्याशी अर्जुन चौटाला यहां से विधायक हैं, ऐसे में पूर्व विधायक गोपाल कांडा ये बताएं कि वर्ष 2009 में मनोहरलाल खट्टर किस प्रकार रानियां में अपना प्रभाव रखते थे? इतना ही नहीं यदि पूर्व विधायक गोपाल कांडा अपनी राजनीति का स्वयं को बड़ा किरदार मानते हैं तो वे ये भी बताएं कि उनके भाई गोविंद कांडा वर्ष 2014 व 2019 में विधानसभा चुनाव क्यों पराजित हुए? साथ ही इस बात का भी खुलासा करें कि भाजपा की तमाम सरकारी मशीनरी का प्रयोग व मतदाताओं को लुभाने के तमाम हथकंडों के बावजूद ऐलनाबाद उपचुनाव में इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला के समक्ष गोविंद कांडा क्यों पराजित हुए? इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि चौधरी देवीलाल परिवार केवल हरियाणा ही नहीं बल्कि राष्ट्रव्यापी राजनीतिक प्रभाव रखता है जिसका प्रमाण ये है कि देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री रहे लालूप्रसाद यादव, नीतिश कुमार, शरद यादव सरीखे उच्च दर्जे के राजनीतिज्ञ भी उनकी ही पौध माने जाते हैं। इनेलो जिलाध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा की राजनीति में कटु सत्य है कि आज पूरी कांग्रेस भाजपा की बी टीम के रूप में कार्य कर रही है जिसका प्रमाण पूर्व में राज्यसभा सदस्य के चयन के दौरान कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा पैन विवाद में भी सीधे तौर पर मिला था।

फतेहाबाद। अपेक्स स्कूल में तीज पर हाथों पर मेहंदी लगाते विद्यार्थी।

अपेक्स कान्वेंट स्कूल में हरियाली तीज का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया

फतेहाबाद। सतीश कॉलोनी स्थित अपेक्स कान्वेंट स्कूल में हरियाली तीज का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय को पारंपरिक रंगों, फूलों और हरियाली से सजाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं ने सुंदर-सुंदर पारंपरिक और रचनात्मक डिजाइनों से अपने हाथों को सजाया। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाना था, बल्कि उन्हें भारतीय परंपराओं से जोड़ना भी था। कार्यक्रम में छात्रों का उत्साह देखने योग्य था। शिक्षक वर्ग द्वारा मेहंदी की सुंदरता, स्वच्छता एवं मौलिकता के आधार पर मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता के अंत में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमंग कक्कड़ ने कहा कि हरियाली तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे संबंध और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को न केवल अपनी कला को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, बल्कि वे भारतीय संस्कृति को आत्मसात भी करते हैं।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने सरकार को घेरा

बिजली दरों की बढ़ोतरी से व्यापारियों पर बढ़ेगा बोझ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा । व्यापारी प्रतिनिधि प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग का स्वागत

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि बिजली की दरों व टैक्सों में की बढ़ोतरी से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान होगा। बजरंग गर्ग शनिवार को सिरसा में व्यापारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

2300 करोड़ का बोझ पड़ेगा : बजरंग दास गर्ग

उन्होंने कहा कि बिजली के दरों में बढ़ोतरी के कारण उद्योगपतियों पर 2300 करोड़ रुपए का आर्थिक बोझ ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण हरियाणा में पहले ही व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है। हरियाणा में काफी राईस मिल व कॉटन मिल पलायन करके पड़ोसी राज्यों में चली गई हैं। सरकार ने रिहायशी व कमर्शियल में बिजली की दरों में बढ़ोतरी करके जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। सरकार को व्यापारी, उद्योगपति व आम जनता के हित में बिजली की दरों की बढ़ोतरी को तुरंत वापिस लेना चाहिए।

टैक्स लाद रही सरकार

गर्ग ने कहा कि सरकार ने पहले ही जनता पर अनाप-शनाप टैक्सों का बोझ डाल रखा है। जिन वस्तुओं पर 5 प्रतिशत वेट कर होता था सरकार ने उन वस्तुओं पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने दूध, दही, लस्सी, चीनी, आटा, कपड़े पर टैक्स लगाकर गरीबों के मुंह का निवाला छीनने का काम किया है। सरकार को जीएसटी में सरलीकरण करके टैक्स की बढ़ोतरी को कम करना चाहिए, ताकि आम जनता को महंगाई से राहत मिल सकें। इस अवसर पर संगठन के जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, प्रदेश सचिव सुधीर ललित, महामंत्री अश्विनी बंसल, जिला आईटी सेल प्रधान संदीप मिड्ढा, कोषाध्यक्ष भीम सिंगला, केदार पाहवा, देवेंद्र ढाका, अमित गाबा, पूर्णचंद खुराना, जितेंद्र जिंदल, कृष्ण गुप्ता, अतुल गोयल आदि प्रतिनिधि अपने विचार रखे।

व्यापारी परेशान

गर्ग ने कहा कि जब उद्योगपति उद्योगों में बिजली का कनेक्शन लेता है तो उसे समय बिजली विभाग में सिक्योरिटी, बिजली पोल, तार, ट्रांसफार्मर लगाने के सभी खर्च अपनी जेब से देता है। ऐसे में निर्धारित शुल्क लेने का कोई औचित्य नहीं बनता। उपभोक्ता जितनी बिजली की खपत करे सरकार को बिजली खपत के हिसाब से ही पैसे लेने चाहिए। फिक्स चार्ज सरकार को समाप्त करना चाहिए।

प्राइवेट स्कूल यूनियन एसडीएम सुरेंद्र सिंह का किया स्वागत

रतिया। फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल यूनियन ब्लॉक रतिया द्वारा नवनियुक्त एसडीएम सुरेंद्र सिंह का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र रोमी गोस्वामी की अगुवाई में स्कूल संचालकों ने एसडीएम से मुलाकात की और निजी स्कूलों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। एसडीएम ने स्कूल संचालकों की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी जायज समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने स्कूली वाहनों से सम्बंधित नियमों की जानकारी भी साझा की और सभी स्कूल संचालकों से अनुरोध किया कि वे सरकारी दिशानिर्देशों और मापदंडों का पूर्णतः पालन करें। एसडीएम ने विशेष रूप से स्कूल वैन चालकों की जिम्मेदारी पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक चालक को नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

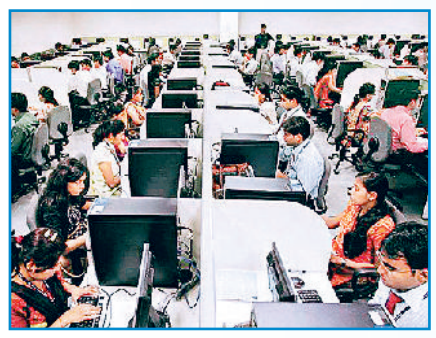

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

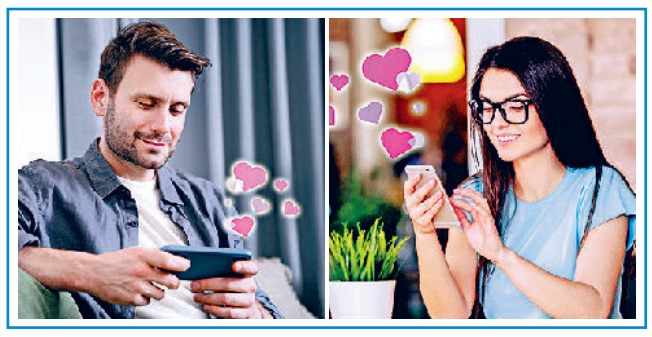

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्यः अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव): थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फाया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

आदिवासी बच्चों का मेंढक नृत्यः ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

नांग मेव समारोहः थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

केबो-केबोआनः इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चारः जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

वोडू वर्षा नृत्यः हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

वरुण यज्ञ अनुष्ठानः वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

अभिषेकम अनुष्ठानः दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

मेंढकों का विवाहः देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

पोर्टफोलियो करियर क्या हैः पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

पोर्टफोलियो करियर के फायदेः पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफः पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

एक्सट्रा इनकमः पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

नो बाउंडेशनः पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसेः अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

प्रॉपर प्लानिंग बनाएंः अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

अपनी स्किल्स को समझेंः इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

लोगों के साथ नेटवर्क बनाएंः अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचानः गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

गंगा नदी का प्रवाह तंत्रः गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

बसे हैं कई तीर्थस्थलः गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

एक जीवंत भौगोलिक संसाधनः भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्वः हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

गंगा का आर्थिक महत्वः भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

चुनौतियां हैं कईः गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि सयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्रीः फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शनः देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

नायिकाओं के हसीन पैरः हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

पैरों से उभारी गई संवेदनाः कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

राजकुमार के पैर और सफेद जूते

याद कीजिए फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'